हिमाचल प्रदेश
राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

तैयारी का आह्वान

अगली आपदा से पहले घरों को सुरक्षित बनाना

हिमालय क्षेत्र हाल के वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण बड़े बदलावों का सामना कर रहा है। हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान भीषण आपदाएं आ रही हैं, जिनसे जीवन, पशुधन और आजीविका का भारी नुकसान हो रहा है। अधिकांश नुकसान ढलानों, जल स्रोतों के पास निचले इलाकों में हुआ है। बेतरतीब निर्माण इसकी एक मुख्य वजह है। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश भूकंप की दृष्टि से अति संवेदनशील क्षेत्र है क्योंकि यह भूकंपीय श्रेणी IV और V में आता है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि हम भूकंप रोधी मकान बनाएं और पहले से बने मकानों की संरचनात्मक जांच करवाकर उन्हें मजबूत करें।

नागरिकों को निम्नलिखित सुझाव दिए जाते हैं :

- खड़ी, नाजुक, अस्थिर और असंतृप्त ढलान पर घर न बनाएं।
- घर एवं आधारभूत संरचना जल स्रोतों, नदी–नालों के पुराने मार्गों या बाढ़ संभावित क्षेत्रों से दूर होने चाहिए।
- यदि घर बिना इंजीनियर की सलाह के बनाया जा रहा है, तो परंपरागत तकनीकों जैसे धज्जी दीवार और काष्ठकुणी का उपयोग करें (लकड़ी के स्थान पर स्टील बार और सीमेंट कंक्रीट का उपयोग किया जा सकता है।
- घर के चारों ओर सतह, उपसतह और उचित जल निकासी, ढलान स्थिरीकरण और संरक्षण कार्य के लिए उपाय करें)
- यदि घर पहले से बना है, तो उसकी संरचनात्मक जांच करवाकर भूकंप सुरक्षा हेतु रेट्रोफिटिंग कराएं।
- अगर आपका घर जलधाराओं के पास है, तो अचानक आई बाढ़ और बादल फटने जैसी घटनाओं से बचाव के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय करें। भारी वर्षा के दौरान सतर्क रहें।
- आपात स्थिति के लिए सुरक्षित स्थान और मार्ग पहले से चिन्हित करें।
- घर और उसमें रखे सामान का बीमा कराएं।
- राशन, अन्य आवश्यक सामग्री और प्राथमिक चिकित्सा किट तैयार रखें। परिवार के सदस्यों द्वारा नियमित रूप से ली जाने वाली दवाओं का कम से कम 30 दिन का भंडार रखें। ऐसे खाद्य पदार्थ रखें जिन्हें कम पकाना पड़े और जिन्हें फ्रिज की आवश्यकता न हो।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट पर जाएं :

http://www-hpsdma-nic-in

आपात स्थिति में संपर्क करें:

DDMA/SDMA टोल फ्री नंबर – 1077, 1070, 1100

तैयारी में ही समझदारी।

विकास ऐसा हो जो आफत से बचाए, विकास ऐसा हो जो आफत न बन जाए।

Himachal Pradesh
State Disaster Management Authority

A CLARION CALL FOR PREPAREDNESS
BUILD SAFE HOUSES BEFORE THE NEXT DISASTER

Himalayan Region has been experiencing large changes due to climate change in the recent past. Himachal Pradesh has experienced severe disasters during monsoons resulting in loss of lives, livestock and livelihood. Most of the damages and losses have been observed on slopes and low lying areas near water streams. Unplanned constructions is one of the main factors contributing to this damage and loss. Besides, the State is highly prone to high intensity earthquakes as State falls in seismic Zone IV and V and ensuring that our house withstands the shock, it is important to build earthquake resistant houses and strengthen existing housing stock after conducting structural audit.

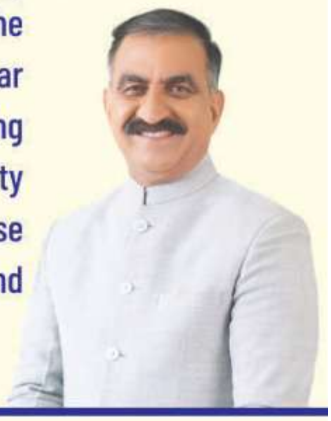

CITIZENS ARE THEREFORE ADVISED AS UNDER:

- Don't construct houses on steep, fragile, unstable and unsaturated slopes.
- Houses and other infrastructure should be far away from water streams, flood plains, older rever/stream terraces/courses.
- If house is being built without the guidance of Engineer, we should construct traditional houses such as Dhajji wall and Kashthkuni (Steel bars and cement concrete can be used as replacement of wood).
- Take measure for surface, subsurface and proper water drainage, slope stabilisation and protection work around the house.
- If you have already constructed your house, it should be got structurally examined and retrofitted for seismic safety.
- If your house is near to water stream, take adequate protections measure against flash floods and cloudbursts. Be alert during heavy downpour.
- Identify safe location and route in case of emergency.
- Take house insurance and insure household items against disaster.
- Keep ration, other essential items and medical kit ready. Also keep adequate stock of medication taken by the members of the family. Stock should be for at least 30 days. Keep stock of food that requires little cooking and no refrigeration.

For more information please visit

http://www-hpsdma-nic-in

For emergency contact DDMA or SDMA:

Toll Free No. 1077, 1070, 1100

तैयारी में ही समझदारी।

विकास ऐसा हो जो आफत से बचाए, विकास ऐसा हो जो आफत न बन जाए।